09 / 01 / 80 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

रूहानी सेनानी बन रूहानी कमाण्डर से मुलाकात का अनुभव

➢➢ मैं आत्मा रूहानी सेनानी हूं

➳ _ ➳ युद्ध महाभारत का है

→ मैं पांडव सेनानी हूँ

→ इस सेना में हैं वैरायटी सैनिक

→ धर्म स्थापना की निमित्त मैं

- कुरुक्षेत्र के मैदान में हूं
- मैं विश्व कल्याण के मैदान पर हूं

→ मैं बहादुर सेवाधारी

→ मैं आधार हूं विजय का

→ मैं संपूर्ण शस्त्रधारी हूं

- अनुभव कराने की शक्ति है मुझ में
- धारणा स्वरूप हूं मैं
- ज्ञान योग धारणा सेवा हर सब्जेक्ट में अव्वल हूं में
- हर अलंकार से सुसज्जित हूं

→ मैं श्रेष्ठ चरित्रवान

- बापदादा का चित्र दिखाने में सक्षम हूं

→ इस युद्ध के डायरेक्टर है बाबा

→ इस युद्ध के बैकबोन है बाबा

➢➢ चेक कर रही हूं मैं स्वयं को क्या मैं एवररेडी हूँ

➳ _ ➳ जब विनाश का बटन दबेगा

➳ _ ➳ तब सेकंड की बाजी की बात होगी

➳ _ ➳ क्या मेरा स्मृति की समर्थी का बटन तैयार है...

➳ _ ➳ मैं स्थापना की निमित्त

→ एक सेकण्ड में तैयार हो जाऊँ ?

→ हाँ मैं तैयार हूँ

→ संकल्प किया और अशरीरी हो गई

→ विश्व कल्याण की ऊंची स्टेज पर स्थित हो गई

→ साक्षी दृष्टा बनी मैं इस विनाश लीला को देख रही हूं

- संबंधों के आकर्षण से परे
- पदार्थों के आकर्षण से परे
- संस्कारों के आकर्षण से
- प्रकृति की हलचल की आकर्षण से परे

→ मैं सर्व बंधन मुक्त फरिश्ता बन गई

- विनाश का दृश्य है
- बाबा की किरणों को स्वयं में समाहित कर
- आत्माओं को शांति और शक्ति की किरणों का दान दे रही

➢➢ मैं डबल सेवाधारी हूँ

➳ _ ➳ बाप दादा की डायरेक्शन प्रमाण

→ अलौकिक और ईश्वरीय सेवा दोनों में बैलेंस है

→ दोनों सेवाओं में समय का, शक्तियों का अटेंशन देती

- श्रीमत के कांटे पर बैलेंस को चेक करती रहती हूं
- मैं लौकिक में गृहस्थी नहीं ट्रस्टी हूँ
- जिम्मेवारी है बाप की मैं सिर्फ़ निमित्त हूँ

➢➢ मैं रूहानी सेनानी स्वयं की चेकिंग कर

➳ _ ➳ मिलती हूं रूहानी कमांडर बाप दादा से

→ मैं ब्रह्मा बाप की विशेष भुजा हूं

→ मैं शिवबाबा की रूद्र माला का मनका हूं